ट्यूनिंग इंडिया में शहर की यूनिवर्सिटी शामिल

जयपुर | यूरोपियन संघ व यूनिवर्सिटी ऑव डियोस्टो, बिलवाओ, स्पेन की ओर से संचालित 'ट्यूनिंग इंडिया' और रिषि परियोजना में जयपुर की आईआईएस यूनिवर्सिटी को शामिल किया गया है। चांसलर डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि इससे शिक्षा में सुधार आएगा।

रिषि परियोजना में जयपुर का विश्वविद्यालय भी शामिल

महानगर संवाददाता

जयपुर। यूरोपियन संघ के प्रतिष्ठित इरासमस कार्यक्रम द्वारा वित्त-पोषित और यूनिवर्सिटी ऑव डीयोस्टो, बिलवाओ,स्पेन की ओर से संचालित 'ट्यूनिंगइंडिया' और 'रिषि' परियोजना में जयपुर के आईआईएस विश्वविद्यालय को शामिल किया गया है। इन परियोजना में यूरोपियन संघ के पांच और भारत के पंद्रह विश्व विद्यालयों की भागीदारी है। यह प्रदेश का एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसे इस परियोजना में शामिल किया गया है।

'ट्यूनिंग इण्डिया' में आईआईएस यूनिवर्सिटी शामिल

जयपुर। यूरोपियन संघ के शिक्षा से जुड़ी परियोजना 'ट्यूनिंग इण्डिया' और 'रिषि' में जयपुर के आईआईएस विश्वविद्यालय को शामिल किया गया है। भारत में उच्च शिक्षा को अन्तर्राष्ट्रीयकरण दर्जे का बनान में सहयोग के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों में ट्यूनिंग इंडिया पद्धति लागू की जा रही है। इसके तहत कानून, आईसीटी, चिकित्सा और बीएड विषयों में पाठ्यक्रम परिवर्द्धन किया जाएगा। साथ ही विभिन्न पाठ्यक्रमों में विविधता भी सुनिश्चित की जाएगी। आईआईएस के चांसलर डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि इन परियोजनाओं में सहभागिता से शिक्षा में सुधार के साथ-साथ कार्य करने की प्रणाली और क्षमता में सुधार होगा। विद्यार्थियों के लिए अवसर बढ़ेंगे और साथ ही दुनिया की जरूरतों के मुताबिक खुद को तैयार करने का माहौल उपलब्ध होगा। यूनिवर्सिटी की रैक्टर एवं रजिस्ट्रार डॉ. राखी गुप्ता का कहना है कि इस सहभागिता से विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों को अन्तर्राष्ट्रीय मापदंडों पर सुधारने की पहल की जाएगी। गौरतलब है कि इस परियोजना में यूरोपियन संघ के पांच और भारत के 15 विश्वविद्यालयों की भागीदारी है। इनमें आईआईएस प्रदेश का अकेला विश्वविद्यालय है जिसे इस परियोजना में शामिल किया गया है।